पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से हो रहा है सफलतापूर्वक प्रतिस्पधा

वैश्विक पवन ऊर्जा क्षमता होगी 800 गीगावाट

एजेंसियां

नयी दिल्ली : ग्लोबल विंड एनर्जी काउंसिल (जीडब्ल्यूईसी) ने भारत सहित दुनिया भर में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा दिये जाने का हवाला देते हुये कहा है कि वर्ष 2021 तक इसकी वैश्विक उत्पादन क्षमता 800 गीगावाट हो जायेगी। इस संगठन ने यहां जारी ग्लोबल विंड रिपोर्ट के एनुअल मार्केट अपडेट में कहा है कि वर्ष 2016 में दुनिया भर में 54 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई और वर्ष 2015 की तुलना में वर्ष 2016 में इसकी कुल उत्पादन क्षमता 12.6 फीसदी बढ़कर 486.8 गीगावाट पर पहुंच गयी। अभी 90 से अधिक देशों में पवन ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है जिनमें से नौ ऐसे देश हैं जहां 10,000 मेगावाट से अधिक की पवन ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है जबकि 29 देशों में 1,000 मेगावाट से अधिक की उत्पादन क्षमता है।

GWEC
GLOBAL WIND ENERGY COUNCIL

स्वच्छ ऊर्जा पर आधारित भविष्य का निर्माण

जीडब्ल्यूईसी के महासचिव स्टीव सॉयर ने रिपोर्ट को जारी करते हुये कहा कि पवन ऊर्जा अब दुनिया भर में बेहद अधिक सब्सिडी प्राप्त पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा कर रही है। इससे नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं, लाखों लोगों को रोजगार मिल रहा है और स्वच्छ ऊर्जा पर आधारित भविष्य का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि यदि जलवायु परिवर्तन और विकास लक्ष्य हासिल करने हैं तो वर्ष 2050 से काफी पहले शून्य उत्सर्जन पावर सिस्टम विकसित करने होंगे। पवन ऊर्जा की पहुंच लगातार बढ़ रही है और इनमें सबसे आगे है डेनमार्क, जहां कुल ऊर्जा में पवन ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़कर 40 फीसदी हो गई है। इसके बाद दूसरे नंबर पर 20 फीसदी से अधिक के साथ उरुग्वे, पुर्तगाल और आयरलैंड हैं। उसके बाद करीब 20 फीसदी के साथ स्पेन और साइप्रस, 16 फीसदी के साथ जर्मनी और 4 फीसदी, 5.5 फीसदी तथा 6 फीसदी के साथ क्रमशः चीन, अमेरिका और कनाडा हैं।

राष्ट्रीय खबर हमारी नजर
Thu, 27 April 2017
epaper.rashtriyakhabar.com/c/18614385